रात्रिक्लास 9-6-68 ओमशान्ति बाप और वर्सा याद है?

तुम बच्चे होविश्व के श्रृंगार। सतयुग में नहीं कह सकते। यह अभी कह सकते हैं। जो भी बच्चे हैं सभी विश्व को श्रृंगार कराने वाले हैं। जैसे बाप की महिमा अपरम-अपार, वैसे तुम भी जो श्रृंगार कराते हो तुम्हारी भी महिमा है। मुख्य श्रृंगार तुम बच्चे हो। देवताओं को भी इतनी खुशी नहींजितनी कि तुमको रहनी चाहिए। हम अपने मोस्ट बिलवेड बाप के साथ है, वह हमारा बाप भी है, टीचर भी है, सद्गुरु भी है। सृष्टि भर में तुम्हारे जैसा पदम भाग्यशाली कोई नहीं है। तुम सारे विश्व का कल्याण करते हो। तुम प्रभात फेरी आद करते हो जानते हो विश्व के कल्याण लिए। तुम सारे विश्व के कल्याण कारी बच्चे हो। जो मेहनत करते उनको नशा चढ़ता है। नशे कारण ही मेहनत करते हैं। देश की सेवा करने वाले सोशल वर्कस तो बहुत हैं। तुम हो स्प्रीच्युअलफादर के बच्चे। तुम्हारी भी महिमा अपरमअपार है। तुम सभी को कह सकते हो हम श्रीमत पर भारत को रूहानी सेवा कर रहे हैं। जिसमानी सेवा और रूहानी सेवा में रात दिन का फर्क है। भारत को हम सच्ची रूहानी सेवा कर रहे हैं। रूह ही तमोप्रधान बना है उनको ही सतोप्रधान बनाना है। बाप को याद करने से ही आत्मा को सतोप्रधान बनना है। पहले2 यह है सबक। हम बाप का पैगाम देते हैं। अभी तमोप्रधान दुनिया है, सतोप्रधान थी। अभी पुरानी है। फिर नई बनाने लिए बाप को आना पड़ता है। बाप को याद करने से ही शक्ति आती है। जिससे हम सतोप्रधान बन जाते हैं। सभी चित्रों कातन्त है यह। बाप सभी बच्चों कोकहते हैं अपने को आत्मा समझो। सभी भाई-भाई हैं। सतयुग में सतोप्रधान थे। कलियुग में तमोप्रधान बने हैं। अभी बाप कहते हैं मामेकं याद करो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। यह तो बहुत ही सहज है। बाप का वरसा अभी बच्चों को मिल रहा है। बाप को जान लेंगे तो फिर खुशी में सुनते रहेंगे। नहीं तो अपनी टाँ-टाँ करते रहेंगे। यह भी सभी ड्रामा में नूंध है। तुम जो सर्विस कर के आये कल्प पहले मिशल ए वन। ड्रामा चलता रहता है। निश्चय है दुनिया बदली तो होना ही है। कब दिलगीर न रहना है। कोई ने समझा न समझा। कोई लड़ते भी हैं बकवाद भी करते हैं। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

रात्रि क्लास 11-6-68 :- बाप कल्याणकारी है तो तुम भी बाप के बच्चे हो। कल्याणकारी बहुत बहुत बनना है। कल्याण भीकम थोड़े ही है। एकदम भ्रष्टाचारी नर्कवासी से श्रेष्ठाचारी स्वर्ग वासी बना देते हैं। (प्रदर्शनी का समाचार सुना रहे हैं) सूरत में प्रदर्शनी होती है बहुत अच्छा। बाबा तो कहते हैं घेराव डालो। निमन्त्रण मिलते जावेंगे। तुम रास्ता बताते जावेंगे। आखरीन यही मंत्र देते रहेंगे। बाप कहते हैं मामेकं याद करो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। मूल बात है यह। बिगर याद की यात्रा कोई सतोप्रधान पवित्र बन नहीं सकता। यह है बाप से मिलने का रास्ता। बाप आते ही हैं बच्चों को रास्ता बताने। सच्ची राह बाप ही देते हैं। कहते हैं बच्चों को कि बाप को याद करना है तो पाप कट जावेंगे। पावन बन जावेंगे। (समाचार) विशाल बुधि होगा तो सेकण्ड में बाप का परिचय और वरसा पा लेंगे। ऐसे नहीं कि सभी को सातरोज सातरोज कहना है। बोलो सेकण्ड की बात है। बाप का परिचय। बाप कहते हैं मुझे याद करते रहो तो तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। (कोई ने पूछा तुम्हारे संस्था के कितने मेम्बर्स हैं?) बोलना चाहिए अनगिनत। ढेर के ढेर प्रजा बनते रहते हैं। यह राजधानी स्थापन हो रही है। सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी। बाकी धारणा पर चलने वाले 5000 कह सकते हो। जो भी आवे उनको मैसेन्ज देना है। रास्ता बताना है। बाप है एक। बाप के बच्चे तो सभी हैं। पवित्र थे तो श्रेष्ठाचारी देवता थे। अभी अपवित्र बने हैं। फिर पवित्र बनाने लिए बाप ही आते हैं। अभी तुम्हारे पास आये हैं तब तो रास्ता बताते हैं पहले तो यह बातें थी नहीं। बाकी 5-7 वर्ष यह बातें चलनी है। विनाश तो होना है। तुम ने रचयिता बाप को भी समझा है, रचना को भी समझा है। रचयिता बाप के सिवाय कोई समझा न सके। तुम्को निमंत्रण मिलती रहती है। यहां तक जो पार्ट चला एक्युरेट। ख्याल न करना चाहिए इतना किया कुछ निकल नहीं। टाईम वेस्ट न करना है। मुख्य जोर देना है बाप को याद करने पर। बाप को याद करते रहो। मुझे नहीं। शिव बाबा को याद करो। मुख्य बात ही है यह। जिसकी पूजा करते हैं उनको याद करो। अच्छा बच्चों कोगुडनाईट